भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1668

उत्तर देने की तारीख 10 मार्च, 2025

सोमवार, 19 फाल्गुन 1946 (शक)

मंगलौर में क्षेत्र-विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण

1668. कैप्टन बृजेश चौटा:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का पुनर्गठित कौशल भारत कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलौर में मत्स्यपालन, पोत निर्माण और समुद्री पर्यटन के विशेष संदर्भ में क्षेत्र-विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने मंगलौर में पीएमकेवीवाई 4.0 या अन्य योजनाओं के अंतर्गत कोई नया पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण केंद्र या क्षमता निर्माण पहल शुरू की है, यदि हां, तो कवर किए गए क्षेत्रों सहित ऐसी पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार समुद्री और उभरती प्रौद्योगिकियों में विशेषज्ञता रखने वाले देशों के साथ कोई क्षेत्र-विशिष्ट कौशल विनिमय कार्यक्रम तैयार कर रही है, यदि हां, तो ऐसे सहयोग और उनके अपेक्षित प्रभाव का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई 4.0), प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) और जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) को सहायता देने की स्कीम से युक्त कुशल भारत कार्यक्रम का उद्देश्य वित्त-वर्ष 2022-23 से मैंगलोर शहर को कवर करने वाले दक्षिण कन्नड़ जिले सहित पूरे भारत में क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को उद्योग-प्रासंगिक कौशल से लैस करना है।

पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, जॉब रोलों के चयन के लिए मांग-संचालित दृष्टिकोण अपनाया गया है, जिसकी पहचान औद्योगिक आवश्यकताओं और क्षेत्रीय जरूरतों के आधार पर की जाती है ताकि स्थानीय आर्थिक अवसरों के साथ संरेखण सुनिश्चित किया जा सके। पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत कौशल विकास का विवरण जिला स्तर पर बनाए रखा जाता है।

पीएमकेवीवाई के तहत, दिनांक 31.12.2024 तक 570 उम्मीदवारों को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में मछली और समुद्री भोजन प्रसंस्करण तकनीशियन के रूप में प्रशिक्षित/उन्मुख किया गया है और 636 को दक्षिण कन्नड़ जिले में पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में प्रशिक्षित/उन्मुख किया गया है। जहाज निर्माण और समुद्री पर्यटन में प्रमुख उद्योगों के साथ सहयोग करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

(ख) पीएमकेवीवाई 4.0 स्कीम के अंतर्गत, दक्षिण कन्नड़ जिले में 14 प्रशिक्षण केंद्रों को सूचीबद्ध किया गया है, जो दिनांक 31.12.2024 तक दो क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इनमें एयरोस्पेस और विमानन क्षेत्र में 90 प्रशिक्षित/उन्मुख और आईटी-आईटीईएस क्षेत्र में 191 प्रशिक्षित/उन्मुख हैं।

इसके अलावा, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के अंतर्गत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) देश के युवाओं के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के एक नेटवर्क के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम (सीटीएस) को लागू करता है। मैंगलोर में, वर्तमान में, 12 आईटीआई हैं, जिनमें से 02 राजकीय आईटीआई हैं और 10 निजी आईटीआई हैं। इन 12 आईटीआई में सीटीएस के तहत निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया जाता है।

क्र.सं.	**ट्रेड का नाम**	**क्षेत्र**
1.	सिलाई प्रौद्योगिकी	परिधान
2.	मैकेनिक (मोटर वाहन)	ऑटोमोटिव
3.	मैकेनिक ऑटो इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स	ऑटोमोटिव
4.	मैकेनिक डीजल	ऑटोमोटिव
5.	मैकेनिक इलेक्ट्रिक वाहन	ऑटोमोटिव
6.	औद्योगिक रोबोटिक्स और डिजिटल विनिर्माण तकनीशियन	पूंजीगत सामान एवं विनिर्माण
7.	इंजीनियर	पूंजीगत सामान एवं विनिर्माण
8.	प्रशीतन और वातानुकूलन तकनीशियन	पूंजीगत सामान एवं विनिर्माण
9.	टर्नर	पूंजीगत सामान एवं विनिर्माण
10.	वेल्डर	पूंजीगत सामान एवं विनिर्माण
11.	फिटर	पूंजीगत सामान और विनिर्माण

12.	इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक	इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर
13.	कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग सहायक	आईटी और आईटीईएस
14.	मल्टीमीडिया एनीमेशन और विशेष प्रभाव	आईटी और आईटीईएस
15.	प्लंबर	पाइपलाइन
16.	इलेक्ट्रीशियन	शक्ति

(ग) वर्तमान में समुद्री एवं उभरती प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता रखने वाले देशों के साथ कोई क्षेत्र-विशिष्ट कौशल विनिमय कार्यक्रम मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है। तथापि, एमएसडीई के पास 7 देशों (अर्थात् ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, जापान, जर्मनी, कतर, सिंगापुर और यूएई) के साथ सक्रिय समझौता ज्ञापन (एमओयू) या सहयोग ज्ञापन (एमओसी) है। ये एमओयू तकनीकी आदान-प्रदान, सहयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम, अर्हता मान्यता और एमएसडीई और संबंधित देश द्वारा परस्पर सहमत क्षेत्रों में सर्वोत्तम पद्धतियों को साझा करने की सुविधा प्रदान करते हैं।

*****